01– प्रथम वर्ष बी.वाई.एन.एस. परीक्षा

01–01 – शरीर रचना

प्रश्न पत्र – एक 100 अंक **व्याख्यान – 50 सैद्धान्तिक**

(1) प्राथमिक शरीर रचना – कोशिका, उत्तक, अवयवों की संरचना

(2) अभिनिवृत्ति शारीर – शरीर पांचभौतिकत्व

(3) अस्थि शारीर – अस्थियों की रचना, संख्या, संधियां।

(4) पेशी शारीर – मांसपेशियों की रचना, संख्या, प्रकार, उपयोग।

(5) सिराधमनी – रक्तवह संस्थान का महत्त्व, हृद्य संरचना।

(6) श्वसन एवं उत्सर्जन तंत्र

(7) नाड़ीवह संस्थान, प्रकार, संस्था, महत्व। इडा, पिंगला, सुषुम्ना, षट्चक्र का रचनात्मक ज्ञान।

(8) स्नायु संरचना, प्रकार एवं संख्या।

(9) मर्म शरीर – प्रकार, स्थान, संख्या।

(10) अन्तःस्त्रावी ग्रंथियों की संख्या, प्रकार, संरचना।

प्रायोगिक कर्माभ्यास – शरीर रचना **अंक – 100** **क्रियात्मक व्याख्यान – 50**

1. सम्पूर्ण अस्थि प्रदर्शन
2. अवयव, कोष्ठांग प्रात्यक्षिक ज्ञान (मॉडल द्वारा)
3. अंगरेखांकन शरीर विकीर्ण रचना का प्रात्यक्षिक ज्ञान।

आलोच्य ग्रंथ –

1. अभिनव शारीर क्रिया विज्ञान – आचार्य प्रियवृत्त शर्मा
2. क्रिया शारीर – वैद्य रणजीत राय देसाई
3. ग्रेज–एनॉटामी –
4. मेन्यूअल ऑफ प्रेक्टीकल अनाटामी – कनिंघम

01–02 – शरीर क्रिया एवं जैव रासायनिक विज्ञान

प्रश्न पत्र – एक – 100 अंक (सैद्धान्तिक) **व्याख्यान – 50 शरीर क्रिया एवं 30 व्याख्यान जैव रासायनिक**

(1) प्राथमिक शरीर क्रिया, कोशिका उतक, अवयवों की क्रिया सहायक अंगों की क्रियाएं।

(2) देह प्रकृति निर्माण, भेद, लक्षण।

(3) विभिन्न संस्थानों की क्रियाएं एवं उपयोगिता।

(4) अन्तःस्त्रावी ग्रन्थियों के हार्मोन्स का शरीर पर प्रभाव।

(5) ज्ञानेन्द्रियों की क्रियाविधि का ज्ञान।

(6) आहार पाक प्रक्रिया।

(7) स्वतंत्र परतंत्र नाड़ी संस्थान का वर्णन, इड़ा, पिंगला, सुषुम्ना एवं षट्चक्र निरूपण।

(8) वसा, प्रोटीन, शर्कराओं की संरचना, उपयोगिता, न्यूनाधिक्यावस्था में शरीर पर प्रभाव।

(9) पाचक स्त्रावों का सामान्य विरेचन खनिज एवं जीवतिस्थियों के अभाव में होने वाले रोग।

प्रायोगिक कर्माभ्यास **अंक – 100** **क्रियात्मक व्याख्यान – 50 शरीर क्रिया एवं 30 व्याख्यान जैव रासायनिक**

(1) धातु – उपधातु – मलों की सामान्यावस्था का परिचय।

(2) अणुवीक्षण यंत्र का सामान्य ज्ञान, उपयोग।

(3) हीमोग्लोबीनोमीटर, हीमोसाइटोमीटर, स्फिग्मोमेनोमीटर, स्फिग्मोग्राफ आदि शरीर क्रियात्मक सम्बन्धी यंत्रों का परिचय, प्रायोगिक ज्ञान।

(4) रक्त पट्टिका निर्माण, रक्त कोषाणु गणना ज्ञान।

आलोच्य ग्रंथ –

1. अभिनव शारीर क्रिया विज्ञान – आचार्य प्रियवृत्त शर्मा
2. क्रिया शारीर – वैद्य रणजीत राय देसाई
3. ग्रे–एनॉटामी –
4. मेन्यूअल ऑफ प्रेक्टीकल अनाटामी – कनिंघम

01– 03. योग एवं वैदिक शारीर

प्रश्न पत्र – 1 (एक) **अंक – 100** **व्याख्यान – 90**

ज्ञेयांश –

(1) पुरुष विवेचन (2) प्रकृति विवेचन (3) सांख्योक्त शरीर दर्शन (4) प्राण विवेचन
(5) क्षेत्र–क्षेत्रज्ञ विवेचन (6) अंतःकरण चतुष्ट्य (7) जीवोत्पत्ति, अण्डज, स्वेदन, जरायुज (8) अग्निसोमात्मक जगत् सिद्धान्त
(9) ज्ञानोत्पत्ति प्रक्रिया (10) त्रिगुण – सत्व रज तम निरूपण (11) षट्चक्र विज्ञान (12) कुण्डलिनी विज्ञान
(14) नाड़ी विज्ञान (15) स्वर विज्ञान (16) मनोनिरूपण

मौखिक परीक्षा 50 अंक
आलोच्य ग्रन्थ –

श्रीमद्भगवत् गीता, अथर्ववेद– वेदों के ज्ञेयांश, हठयोगप्रदीपिका, पातंजल योगदर्शन, गोरक्ष संहिता, योग वशिष्ठ, विदुर नीति, स्मृतियां, उपनिषद्

01–04 प्राकृतिक चिकित्सा के सिद्धान्त

प्रश्न पत्र – 1 सैद्धांतिक अंक – 100 व्याख्यान – 90

(1) प्राकृतिक चिकित्सा दर्शन, सिद्धान्त एवं इतिहास	(2) शरीर, मस्तिष्क, आत्मा, जीवन, चेतना का दार्शनिक महत्व।
(3) प्रकृति के नैसर्गिक नियम – 1. पंचमहाभूत 2. शरीर धर्म – आहार, निद्रा, भय, मैथुन, श्रम। 3. शरीर की स्वतः क्षतिपूर्ति/स्वयं शुद्धि क्रिया।	(4) दिनचर्या, ऋतुचर्या, वेगधारण महत्व।
(5) चिकित्सा विधियों का सामान्य ज्ञान।	(6) विजातीय द्रव्यों का शरीर पर विषाक्त प्रभाव एवं इनके निर्हरणोपाय
(7) स्वास्थ्य के निर्णायक सिद्धान्त।	(8) तीव्र एवं जीर्ण रोगों का तुलनात्मक अध्ययन।
(9) आकाश तत्व का महत्व।	

प्रायोगिक कर्माभ्यास – अंक – 100 व्याख्यान – 70

ज्ञेयांश –

(1) मृत्तिका प्रयोग – शोधन एवं प्रयोग विधियां एवं विविध मृत्तिका प्रकार परिज्ञान।

(2) जलोपचार की विविध विधियां, शोधन एवं प्रयोग परीक्षण।

(3) आतप स्नान, वायु स्नान, वाष्प स्नान, मृत्तिका स्नान की विधियों का परिज्ञान।

आलोच्य ग्रन्थ –

(1) बुनियादी प्राकृतिक चिकित्सा – सुखवीर सिंह

(2) कुदरती उपचार – महात्मा गांधी

(3) सरल प्राकृतिक चिकित्सा – विट्ठलदास मोदी

(4) रिटर्न टू नेचर – एडल्फ जुस्ट

(5) फिलॉसाफी ऑफ नेचर केयर – हेनरी लिंडहर

01–05 संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र – एक अंक – 100 व्याख्यान – 90

संस्कृत, व्याकरण एवं साहित्य :–

संस्कृत वर्णों एवं शब्दों (स्वर एवं व्यंजन) का ज्ञान	• 14 प्रत्याहार सूत्र
• संधि – समास ज्ञान	• सामान्य पुल्लिंग, स्त्रीलिंग, नपुंसकलिंग शब्द रूप
• संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण ज्ञान	• सहायक क्रियाऐं
• उपप्रकार वाचक •	• प्रश्नवाचक शब्द
• युक्त सामान्य वाक्यों का ज्ञान – तीनों वचन एवं तीनों पुरुषयुक्त (1) लट्लकार, (2) लोट्लकार, (3) लंगलकार, (4) लृटलकार (5) विधिलिंग	• क्रिया ज्ञान
• संज्ञा – पुलिंग, संज्ञा – स्त्रीलिंग संज्ञा – नपुंसकलिंग	• सर्वनाम – पुलिंग, स्त्रीलिंग, नपुंसकलिंग
• संयुक्त स्वर	• मिश्रित शब्द

मौखिक परीक्षा अंक – 50

आलोच्य ग्रन्थ –

- संस्कृत स्वयं शिक्षक – श्री डी. सात्वलेकर भाग **I, II**
- लघु सिद्धान्त कौमुदी
- अनुवाद चन्द्रिका

01–06 योगाभ्यास

प्रायोगिक कर्माभ्यास – अंक –100

1. प्रतिदिन सभी छात्र नियमित रूप से इस सत्र में योगासनों का अभ्यास करेंगे।
2. योगाभ्यास की पूर्व स्थिति, आसन की पूर्ण स्थिति तथा आसन से मुक्त होने की स्थिति, नेत्र एवं श्वास क्रिया के मूल्यांकन आधार पर अंक दिये जाएगें।